DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

समास

Part -2

LIVE 24-04-2024 09:00 AM

(iii)- सम्प्रदान तत्पुरुष (चतुर्थी तत्पुरुष) - इसमें समस्त पद के बीच के लिए विभक्ति का प्रयोग होता है।

छात्रावास = छात्रों के लिए वास
यज्ञशाला = यज्ञ के लिए शाला
रसोईघर = रसोई के लिए घर
मालगोदाम = माल के लिए गोदाम
हथकड़ी = हाथ के लिए कड़ी
युद्धभूमि = युद्ध के लिए भूमि
पुत्रशोक = पुत्र के लिए शोक
गोशाला = गो के लिए शाला

(iv)- अपादान तत्पुरुष (पंचमी तत्पुरुष) ⇒ इसमें समस्त पद के बीच 'से' अलग का बोध होता है।

रोगमुक्त = रोग से मुक्त

बुद्धिहीन = बुद्धि से हीन

नेत्रहीन = नेत्र से हीन

ऋणमुक्त = ऋण से मुक्त

पापमुक्त = पाप से मुक्त

जातिभ्रष्ट = जाति से भ्रष्ट

देशनिकाला = देश से निकाला

धर्मविमुख = धर्म से विमुख

(v)- सम्बन्ध तत्पुरुष (षष्ठी तत्पुरुष) ⇒ इसमें समस्त पद के बीच का, की, के विभक्ति का प्रयोग होता है।

सेनानायक = सेना का नायक

भारतरत्न = भारत का रत्न

गंगाजल = गंगा का जल

कन्यादान = कन्या का दान

वीर कन्या = वीर की कन्या

घुड़दौड़ = घोड़ों की दौड़

सेनाध्यक्ष = सेना का अध्यक्ष

सुरवृन्द = सुरों का वृन्द

(vi) - अधिकरण तत्पुरुष (सप्तमी तत्पुरुष) = इसमें समस्त पद के बीच में, पर विभक्ति का प्रयोग होता है।

वाल्मारूढ = वाहन पर आरूढ
आपबीती = आप पर बीती
नीतिनिपुण = नीति में निपुण
घृतान्न = घी में पका अन्न
मुनिश्रेष्ठ = मुनियों में श्रेष्ठ
कार्यकुशल = कार्य में कुशल
आत्मनिर्भर = आत्मा पर निर्भर
कविपुंगव = कवियों में पुंगव
हरफनमौला = हरफन में मौला

प्रश्न: निम्नलिखित में से चतुर्थी तत्पुरुष है?

(a) - बलहीन - बल से हीन (पंचमी)
(b) - विद्यालय - विद्या के लिए आलय
(c) - मतदाता - मत को देने वाला
(d) - मुँहमांगा - मुँह से मांगा

नोट - नञ् समास ⇒ जिस शब्द में 'न' के अर्थ में 'अ' अथवा 'अन' का प्रयोग हो।

असभ्य = न सभ्य
अभाव = न भाव
अचल = न चल
अनपढ़ = न पढ़

* अलुक् तत्पुरुष = जिस शब्द के पहले पद में विभक्ति का लोप न होकर उसी में समाहित रहती है उसे अलुक् तत्पुरुष कहते हैं।

युधिष्ठिर = युद्ध में स्थिर रहने वाला

वाचस्पति = वाक् में पति

मनसिज = मन में उत्पन्न

खेचर = आकाश में विचरण करने वाला

③ कर्मधारय समास ⇒ जिस समास में पूर्व पद विशेषण और उत्तर पद विशेष्य होता है उसे कर्मधारय समास कहते है। इसमें उत्तर पद प्रधान होता है।

कमलनयन = कमल के समान नयन

चरणकमल = कमल के समान चरण / कमल रूपी चरण

अधपका = आधा है जो पका

अधमरा = आधा है जो मरा

मृगनयनी = मृग के समान नयन

चन्द्रमुखी = चन्द्र के समान मुख वाली

लालमिर्च = लाल है जो मिर्च

लाल मणि = लाल है जो मणि

सतधर्म = सत है जो धर्म

नीलोत्पल = नीला है जो उत्पल

नीलगाय = नीली है जो गाय

कीर्तिलता = कीर्ति रूपी लता

देहलता = देह रूपी लता

सज्जन = सत है जो जन

प्राणधन = प्राण रूपी धन

नीलकमल = नीला है जो कमल

संसारसागर = संसार रूपी सागर

कृताकृत = किया बेकिया

कापुरुष = कायर है जो पुरुष

घनश्याम = घन रूपी श्याम

सद्भावना = सत् है जो भावना

महाकवि = महान है जो कवि

अपवाद -

महावीर = महान है जो वीर

महात्मा = महान है जो आत्मा

लम्बोदर = लम्बा है जो उदर

नीलकंठ = नीला है जो कंठ

पीताम्बर = पीत है जो अम्बर

श्वेताम्बर = श्वेत है जो अम्बर